# कीमतों मे बढ़ोतरी पर सरकार ने शुगर इंडस्ट्री को चेताया

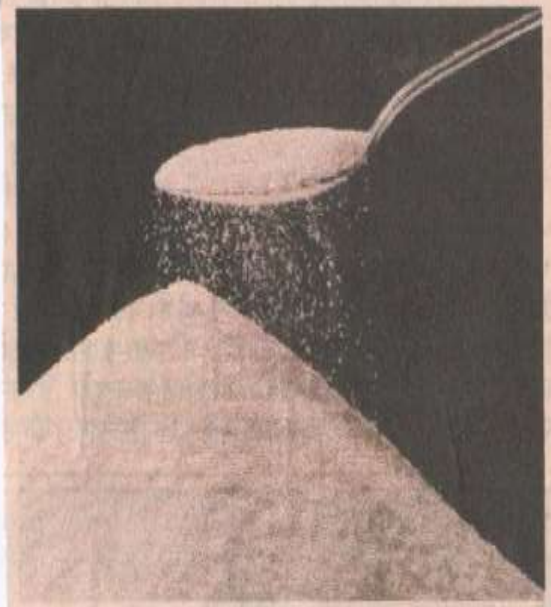

[ जयश्री भोसले | पुणे ]

सरकार ने देश की शुगर इंडस्ट्री को चेतावनी दी है कि वह शुगर की कीमतों को कंट्रोल करने के लिए सभी 'जरूरी' कदम उठा सकती है। सरकार का यह भी कहना है कि इंडस्ट्री को यह गलतफहमी भी नहीं पालनी चाहिए कि कुछ राज्यों में चुनाव के कारण सरकार ऐसा नहीं कर सकती। शुगर मिलों के प्रतिनिधियों ने मिलर्स को अटकलों पर ध्यान नहीं देने को कहा है।

होलसेल में शुगर की कीमत 40 रुपये प्रति किलो से ज्यादा होने के बाद फूड मिनिस्ट्री से शुगर इंडस्ट्री से कहा है कि पिछले 8-10 दिनों में शुगर की कीमतों में हुई अचानक बढ़ोतरी से सरकार में उच्चस्तर पर चिंता है।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (आईएसएमए) की तरफ से अपने सदस्यों को जारी चिट्ठी में कहा गया है, 'सरकार को लगता है कि शुगर की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी गैर-जरूरी है और इसकी मुख्य वजह अटकलबाजी है।' सरकार ने शुगर इंडस्ट्री को चेताया है कि वह कीमतों को कंट्रोल करने के लिए हर मुमकिम कदम उठाएगी और इंडस्ट्री को इस गलतफहमी में नहीं रहना चाहिए कि सरकार कुछ राज्यों में चुनाव के कारण इस सिलसिले में कदम नहीं उठा सकती है। सरकार की तरफ से जताई गई चिंता के बाद इंडस्ट्री बॉडी इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन ने अपने मेंबर्स को मार्केट में अटकलों से प्रभावित नहीं होने और धीरज रखने को कहा है।

इस बीच, इंडियन शुगल मिल्स एसोसिएशन की प्रेसिडेंट टी सरिता रेड्डी का यह भी कहना है कि बेशक शुगर की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है, लेकिन हमें यह भी महसूस करना है कि शुगर प्रॉडक्शन की कॉस्ट में भी जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, रेड्डी ने कहा, 'अगर सरकार शुगर इंपोर्ट करने का फैसला करती है, तो यह खतरनाक कदम हो सकता है। इससे कीमतों में बुरी तरह गिरावट आएगी और किसानों का गन्ना भुगतान अटक जाएगा।' एनसीडीईएक्स पहले ही खरीदारों को 20 से 45 फीसदी तक स्पेशल कैश मार्जिन बढ़ा चुका है। 5 फीसदी अतिरिक्त मार्जिन पहले से मौजूद है, जिससे कुल मार्जिन बढ़कर 50 फीसदी हो गया है।

## क्या कहते हैं जानकार?

- **अगर सरकार** शुगर इंपोर्ट करने का फैसला करती है, तो यह खतरनाक कदम हो सकता है। इससे कीमतों में तेज गिरावट आएगी और किसानों का गन्ना भुगतान अटक जाएगा